महावीर भगवान की आरती

जय महावीर प्रभो स्वामी जय महावीर प्रभो ।
कुण्डलपुर अवतारी, त्रिशलानन्द विभो ॥
ओम जय महावीर प्रभो ॥

सिद्धारथ घर जन्मे, वैभव था भारी, स्वामी वैभव था भारी ।
बाल ब्रह्मचारी व्रत, पाल्यो तपधारी । १ । ओम जय ।
आतम ज्ञान विरागी, समदृष्टिधारी ।
माया मोह विनाशक, ज्ञान ज्योति जारी । २ । ओम जय ।
जग में पाठ अहिंसा, आप ही विस्तारयौ ।
हिंसा पाप मिटाकर, सधर्म परिचार्‌यौ । ३ । ओम जय ।
यह विधि चांदनपुर में अतिशय दरसायौ ।
ग्वाल मनोरथ पुर्‌यौ दूध गाय पायौ । ४ । ओम जय ।
अमरचन्द को स्वपना, तुमने प्रभु दीना ।
मन्दिर तीन शिखर का, निर्मित है कीना । ५ । ओम जय ।
जयपुर नृप भी तेरे अतिशय के सेवी ।
एक ग्राम तीन दिनो, सेवा हित यह भी । ६ । ओम जय ।
जो कोई तेरे दर पर, इच्छा कर आवे ।
मनवांछित फल पावै, संकट मिट जावे । ७ । ओम जय ।
निशि दिन प्रभु मन्दिर में जगमग ज्योति जरे ।
सेवक प्रभु चरणों में आनन्द मोद भरे । ८ । ओम जय ।